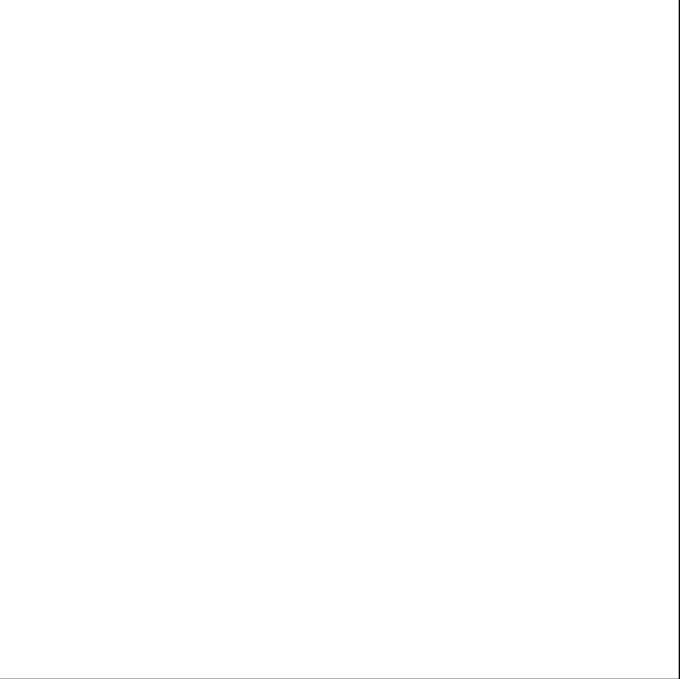





एक बहिन नबा आदमी





 Cornelius Gulere

 Catherine Groenewald

 Kishan Singh Sirari

॥ 2


  हिंदी




Global Storybooks

globalstorybooks.net

एक बहिन नबा आदमी

 Cornelius Gulere

 Catherine Groenewald

 Kishan Singh Sirari

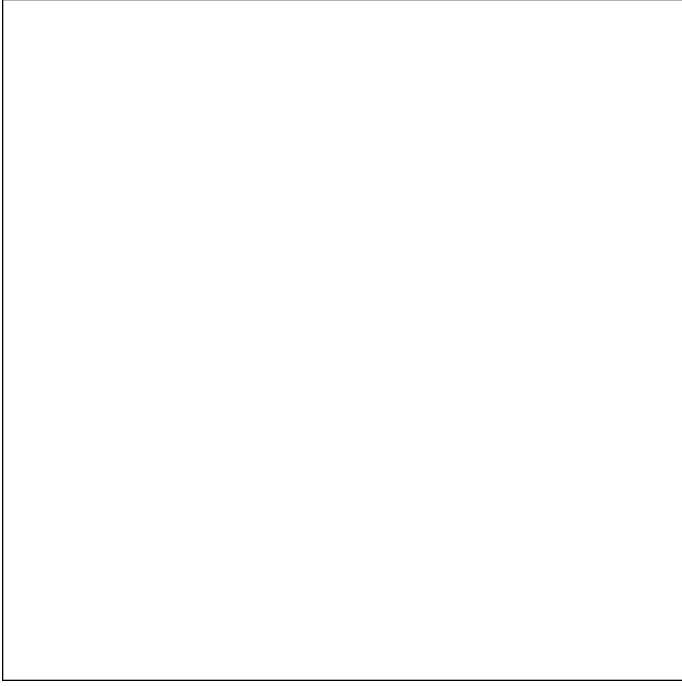


This work is licensed under a Creative Commons

[Attribution 3.0 International License.](https://creativecommons.org/licenses/by/3.0)

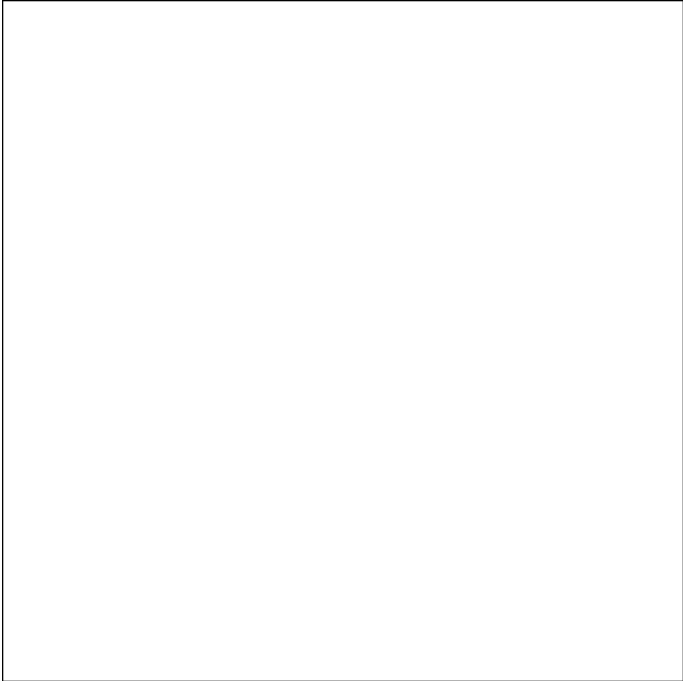
<https://creativecommons.org/licenses/by/3.0>

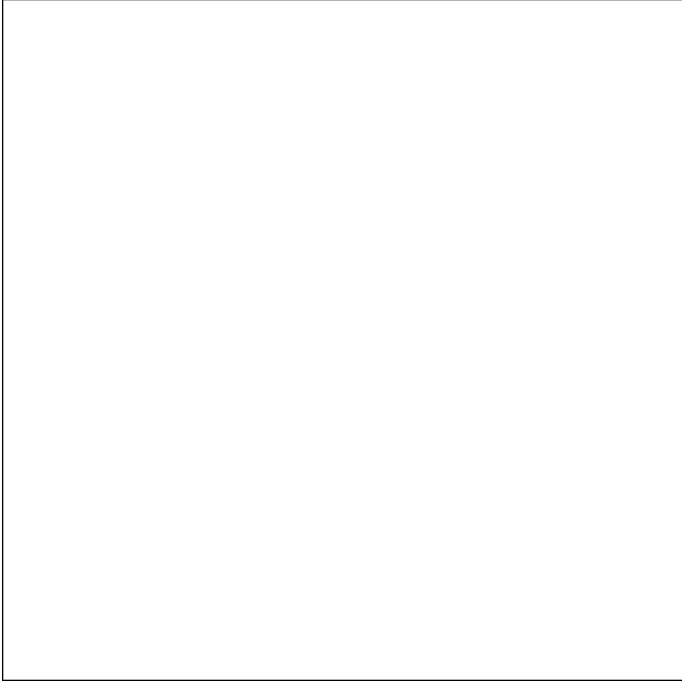




उसका फावड़ा बहुत छोटा था।

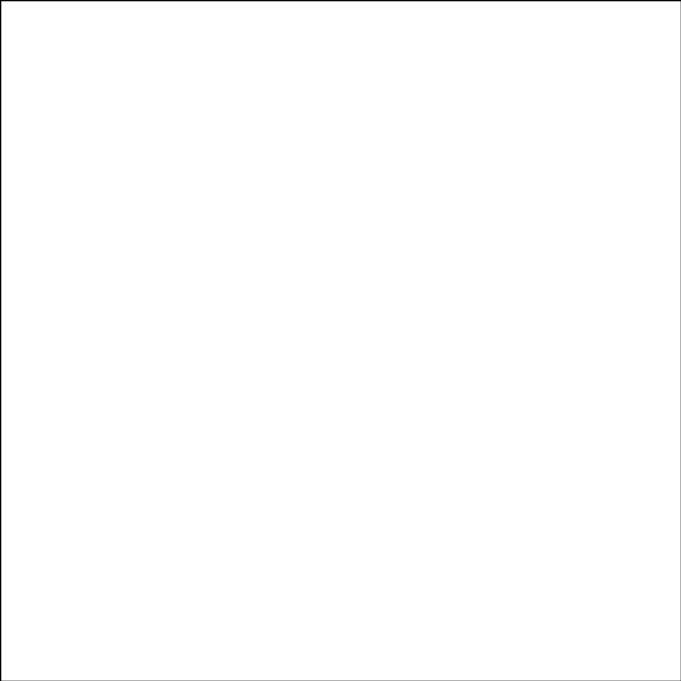
ੴ ਸ੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗ੍ਰੰਥ ਸਾਹਿਬ ਜੀ ਮੁਖਿ ॥



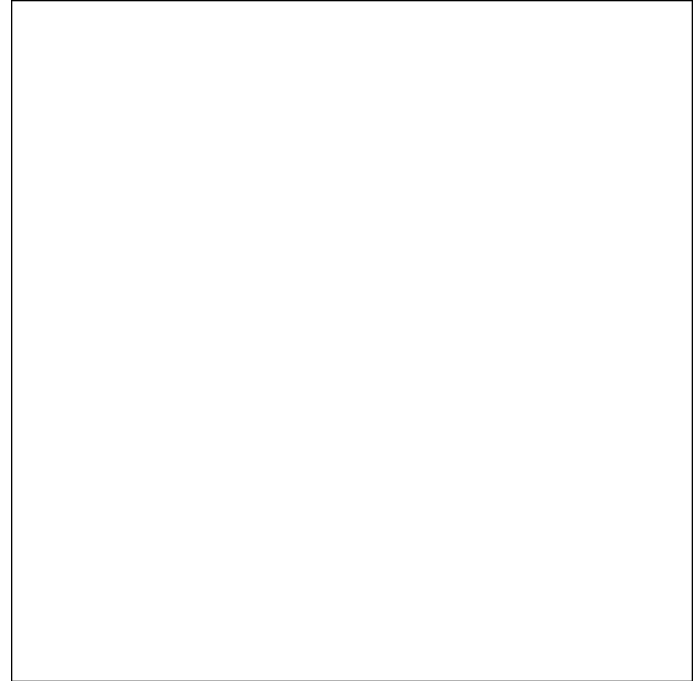


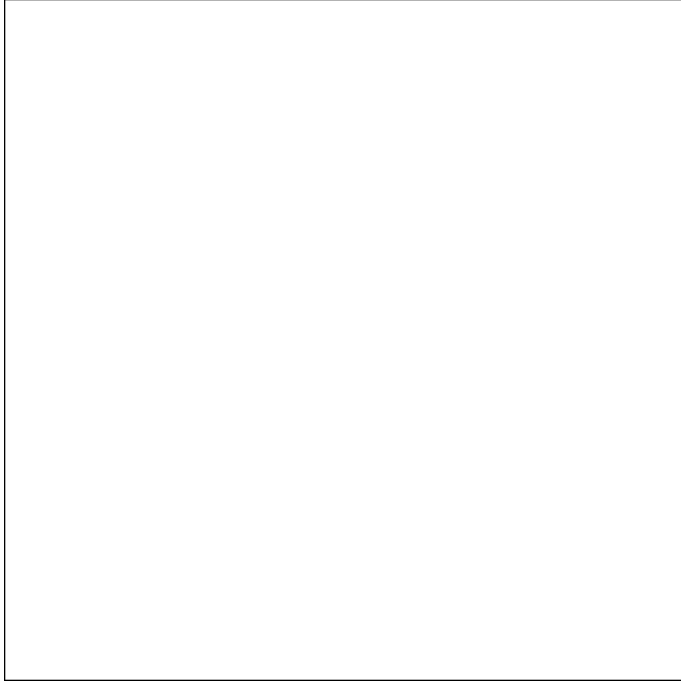
उसका पलंग बहुत छोटा था।

उसकी साइकिल बर्तन छोटी थी।

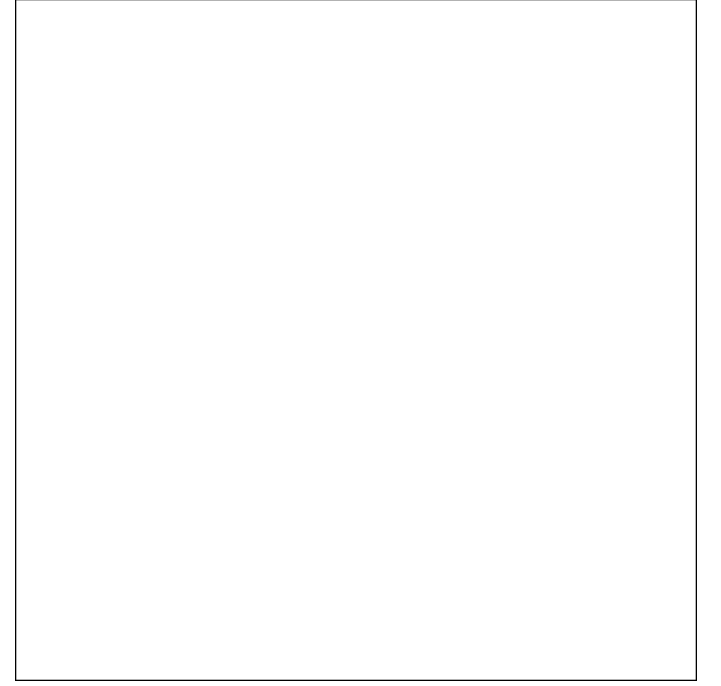


वह अपना घर छोड़ कर एक बड़े जंगल में
 रकने लगा। वहाँ पर वह कई सालों तक
 रहा।



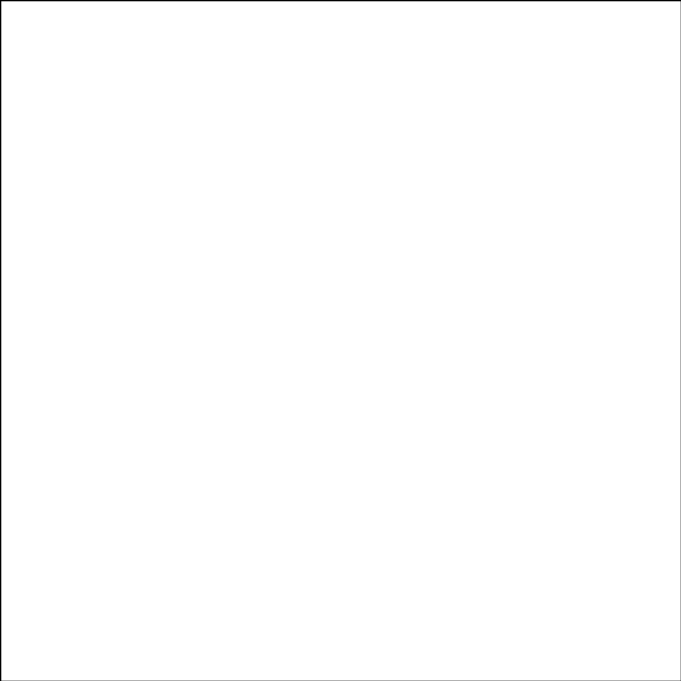


यह आदमी बहुत लंबा था।

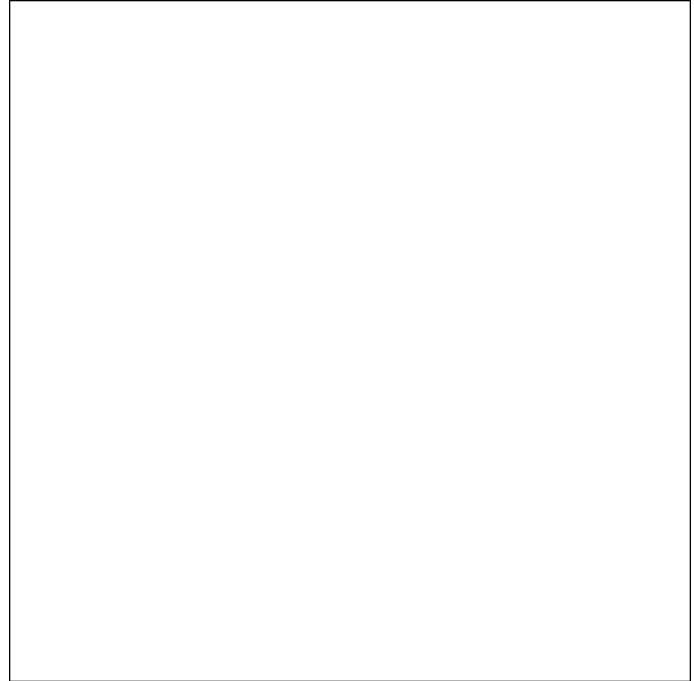


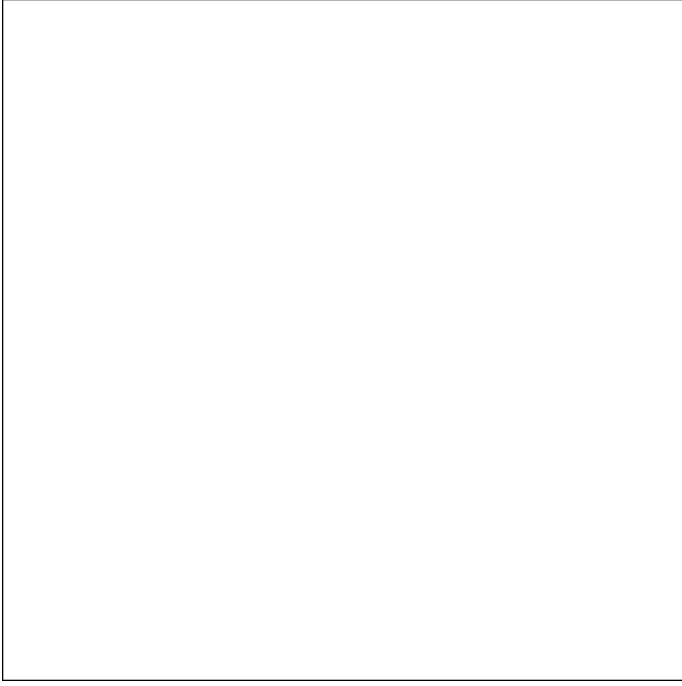
वह एक ऊँची कुर्सी पर बैठा। उसने एक बहुत लंबे काँटे से खाना खाया।

उसने फावते का इंतजार नहीं किया।

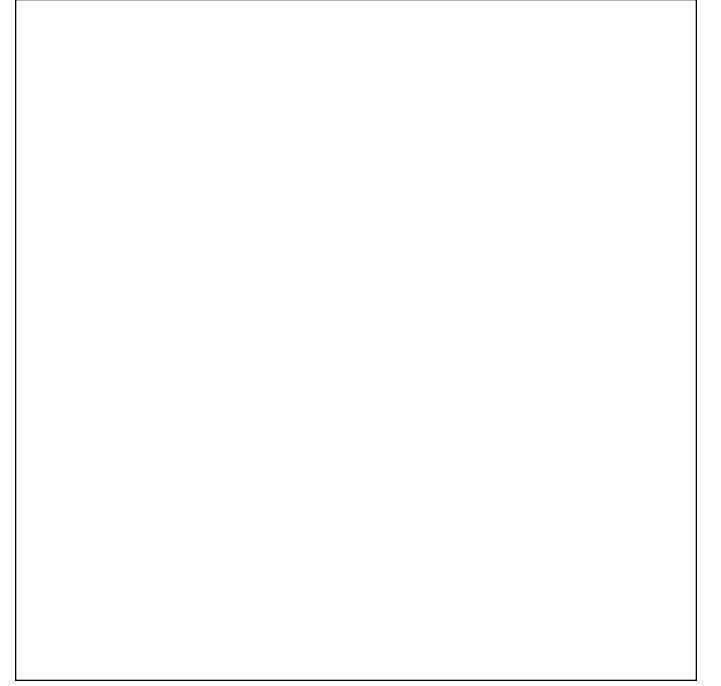


उसने फावते का इंतजार नहीं किया।





उसने दरवाज़े की चौखट बहुत ऊँची बनाई।



उसने बहुत लंबा पलंग बनाया।